



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 15—दिसम्बर 21, 2012 (अग्रहायण 24, 1934)  
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15—DECEMBER 21, 2012 (AGRAHAYANA 24, 1934)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]  
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by  
Statutory Bodies]

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 2012  
(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

दिल्ली उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट  
के रूप व्यवसाय नहीं करेंगे।

टी. कार्तिकेयन  
सचिव

सं. 29-सीए/लॉ/डी-243/2012--चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने, उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, चार्टर्ड एकाउंटेंट निर्देश सं. 1/2010 के मामले में 28 फरवरी, 2012 को यह आदेश दिया था कि श्री अजय कुमार गुप्ता, चार्टर्ड एकाउंटेंट, बी-3/4, आर.पी. बाग, दिल्ली-110007 (सदस्य सं. 088800) के नाम को, उन्हें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 के साथ पठित धारा 22 के अधीन दी गई दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (7) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक अवचार का दोषी पाए जाने के कारण, छह मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदनुसार, यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री अजय कुमार गुप्ता का नाम तारीख 1 जनवरी, 2013 से छह मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उस अवधि के दौरान वह माननीय

सं. 29-सीए/लॉ/डी-244/2012--चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने, उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, चार्टर्ड एकाउंटेंट निर्देश सं. 1/2011 के मामले में 22 अगस्त, 2012 को यह आदेश दिया था कि श्री राजेश चड्ढा, चार्टर्ड एकाउंटेंट, 1-ए, ब्यूटी एवेन्यू, फेज-1, अमृतसर (सदस्य सं. 092937) के नाम को, उन्हें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 के साथ पठित धारा 22 के अधीन दी गई दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (5), खंड (6) और खंड (7), के अर्थान्तर्गत वृत्तिक अवचार का दोषी पाए जाने के कारण, तीन वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदनुसार, यह

सूचित किया जाता है कि उक्त श्री राजेश चड्ढा का नाम तारीख 1 जनवरी, 2013 से तीन वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उस अवधि के दौरान वह माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगे।

टी. कार्थिकेयन  
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 2012

सं. एन-15/13/8/5/2012-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी

राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 दिसम्बर, 2012 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ छत्तीसगढ़ राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात् :-

“जिला दुर्ग की तहसील-दुर्ग में स्थित राजस्व ग्राम-दुर्ग, बोरसी, कसारीडीह, तितुरडीह, पुलगांव, कोलिहापुरी, मोहलाई, सिकोला, धनौरा तथा नगर पालिका निगम दुर्ग की सीमाओं के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्र।”

एस. रविचन्द्रन  
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 23rd November 2012

### CHARTERED ACCOUNTANTS

No. 29-CA/Law/D-243/2012—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India that the Hon'ble High Court of Delhi has, in pursuance of Section 21(6)(c) of the said Act, in Chartered Accountant Reference No. 1/2010, ordered on February 28, 2012 that the name of Shri Ajay Kumar Gupta, Chartered Accountant, B-3/4, R.P. Bagh, Delhi-110007 (M. No. 088800) be removed from the Register of Members for a period of 6 months for having been found guilty of professional misconduct falling within the meaning of Clause (7) of Part I of the Second Schedule under Section 22 read with Section 21 of the Chartered Accountants Act, 1949. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri Ajay Kumar Gupta shall stand removed from the Register of Members for a period of 6 months w.e.f. 1st January, 2013. During that period he shall not practise as a Chartered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Delhi.

T. KARTHIKEYAN  
Secy.

No. 29-CA/Law/D-244/2012—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India that the Hon'ble High Court of Punjab & Haryana has, in pursuance of Section 21(6)(c) of the said

Act, in Chartered Accountant Reference No. 1/2011, ordered on 22nd August, 2012 that the name of Shri Rajesh Chadda, Chartered Accountant, 1-A, Beauty Avenue, Phase-1, Amritsar (M. No. 092937) be removed from the Register of Members for a period of 3 years for having been found guilty of Professional Misconduct falling within the meaning of Clause (5), (6) and (7) of Part I of the Second Schedule under Section 22 read with Section 21 of the Chartered Accountants Act, 1949. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri Rajesh Chadda shall stand removed from the Register of Members for a period of 3 years w.e.f. 1st January, 2013. During that period he shall not practise as a Chartered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Punjab & Haryana.

T. KARTHIKEYAN  
Secy.

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 20th November 2012

No. N-15/13/8/5/2012-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st December, 2012 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Chhattisgarh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Chhattisgarh namely :—

"Revenue villages of Durg, Borsi, Kasaridih, Titurdih, Pulgaon, Kolihapuri, Mohlai, Sikola, Dhanora and the areas falling within the Municipal Corporation Limits of Durg all in Tehsil Durg, District Durg".

S. RAVICHANDRAN  
Jt. Dir. (P&D)